कोयल

सरल हिन्दी पाठमाला 1

शिक्षक–दर्शिका

ओरियंट ब्लैकस्वॉन

All rights reserved. No part of this book may be modified, reproduced or utilised in any form, or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system, in any form of binding or cover other than in which it is published, without permission in writing from the publisher.

कोयल सरल हिन्दी शिक्षक-दर्शिका 1 (पाठमाला 1 के लिए)

ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
मुख्य कार्यालय
3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना), भारत
ई-मेल: centraloffice@orientblackswan.com

शाखाएँ
बंग्लुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई,
नई दिल्ली, नोएडा, पटना, विशाखापट्टनम

© ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 2023
प्रथम संस्करण, 2023
OBBN 978-0-30106-639-4

टाइपसेटर
सुरेश कुमार शर्मा, दिल्ली

मुद्रक

प्रकाशक
ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
3-6-752 हिमायतनगर
हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना)
ई-मेल : info@orientblackswan.com

पाठ-सूची

शिक्षक बंधुओं से ... *v*

1. **लोमड़ी और कौआ** (चित्रकथा) 1
2. **आओ, वर्णमाला दोहराएँ** 1
   - गतिविधि 2
   - रचनात्मक कार्य (रंग भरो) 2
3. **दो, तीन व चार अक्षर वाले शब्द** 2–4
   - गतिविधि (देखो और पहचानो–जंगली जानवर) 4
   - गतिविधि (गलतियाँ ढूँढ़ो!) 4
   - अंगों के नाम 5
   - फलों को पहचानो 5
4. **आ की मात्रा (ा)** 5–7
5. **इ की मात्रा (ि)** 7–9
   - मीठे-मीठे फल (तीन कविताएँ) 9
   - गतिविधि (रंग भरो) 9
   - रंग-बिरंगे प्यारे फूल 9
6. **ई की मात्रा (ी)** 10–11
   - गतिविधि (आओ, दिमाग लड़ाएँ!) 11
   - चलो, पौधा लगाएँ! 12
   - मैं और मेरा परिवार 12
7. **उ की मात्रा (ु)** 12–14
8. **ऊ की मात्रा (ू)** 14–15
   - तरह-तरह के पेड़ 16
   - रंग भरो, गाना गाओ! (गतिविधि) 16
   - ये पक्षी 16
   - पालतू पशु 17

9. **ऋ (ृ) की मात्रा** 17
- रचनात्मक कार्य (रंग भरना) 19

10. **कछुए और खरगोश की दौड़** (चित्रकथा) 19
- ये कीड़े-मकोड़े 20
- एक से पचास तक गिनती 20

शिक्षक बंधुओं से ...

हिन्दी भारत की एक प्रमुख भाषा है। यह प्रांतीय भाषा ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण देश में बोली जाने वाली 'सार्वजनिक' भाषा है। यह देश के कुछ स्कूलों में प्रथम भाषा के रूप में तो कुछ स्कूलों में द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। देश के कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जहाँ यह तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। **'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला** की रचना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर की गई है। इन क्षेत्रों में इस पाठ्यपुस्तक माला के माध्यम से हिन्दी द्वितीय अथवा तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। यह पाठ्यपुस्तक माला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसलिए इन शिक्षक दर्शिकाओं का निर्माण हिन्दी शिक्षण की उन कठिनाइयों को ध्यान में रखकर किया गया है, जिनका सामना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के शिक्षक करते हैं।

'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला

'कोयल' NEP के अनुरूप सरल हिन्दी पाठमाला अहिन्दी भाषी क्षेत्रों तथा द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए है। यह पुस्तकमाला सम्प्रेषणमूलक शिक्षण प्रविधि (Communicative Teaching Method) एवं योग्यता-आधारित शिक्षा के सिद्धांतों (Principles of Competency Based Education) को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy) 2020 और एनसीईआरटी (NCERT) के दिशा-निर्देशों का पालन करती है। यह सीरीज़ **नर्सरी** से लेकर **कक्षा 8** तक के विद्यार्थियों के लिए है।

भाषा शिक्षण के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना – को इस पाठ्यपुस्तक माला में स्थान दिया गया। है। इन कौशलों के माध्यम से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है, यह इन शिक्षक दर्शिकाओं के माध्यम से बताया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020)

'कोयल' सरल हिन्दी पाठमाला में शिक्षा के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना (Listening, Speaking, Reading & Writing) – के माध्यम से शिक्षण दिया गया है। ये पुस्तकें नवीनतम शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के निम्नलिखित मापदण्डों पर आधारित है:-

- डिजिटल (QR कोड, ऑडियो एवं वीडियो)
- अतिरिक्त पठन

- भारतीय विरासत
- पास-परिवेश
- चिंतन (Critical Thinking)
- समस्या समाधान (Problem Solving)
- रचनात्मक कार्य (Art Integration)
- जीवन मूल्य (Values)
- जीवन कौशल (Life Skills)

इनके माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला की पाठ-सूची के अनुसार दी गई **पाठ योजना** के अंतर्गत बताया गया है।

'कोयल' हिंदी प्रवेशिकाएँ (नर्सरी, LKG एवं UKG के लिए)

- इस पाठ्यपुस्तक माला में **तीन प्रवेशिकाएँ क्रमशः नर्सरी, LKG एवं UKG** के लिए हैं।
- इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य **विद्यार्थियों को स्वर एवं व्यंजन का ज्ञान, बिना मात्रा वाले दो, तीन तथा चार अक्षरों से बने शब्दों व वाक्यों को बोलना, पढ़ना एवं लिखना सिखाना है।**
- ये शिक्षण **पुस्तकों के माध्यम से** तो है ही, साथ ही **डिजिटल के माध्यम से** भी दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों में सुनकर बोलने की कुशलता का विकास हो सके।
- अक्षरों, शब्दों, वाक्यों तथा कविताओं का **ऑडियो** दिया गया है। पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- **ऑडियो का प्रयोग** शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक पाठ-योजना में बताया गया है।
- ऑडियो के साथ-साथ **फ़्लैश कार्ड** भी दिए गए हैं। ये **फ़्लैश कार्ड** शिक्षण को रोचक, मनोरंजक और सहायक बनाएँगे।
- **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि व्हाइट बोर्ड पर जब चित्र और उसके नाम का पहला अक्षर या उसका नाम आएगा तब **"बिंगो" बोलना** है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 1 एवं 2 (कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के लिए)

- **पाठमाला 1 में स्वर** तथा **पाठमाला 2 में व्यंजन पढ़ाए और सिखाए गए हैं।**
- प्रवेशिकाओं की भाँति ही, इनमें भी डिजिटल के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- स्वरों की मात्राओं से बने शब्दों तथा वाक्यों एवं कविताओं का ऑडियो दिया गया है।
- इन पुस्तकों में भी पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- ऑडियो का प्रयोग शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह संबंधित शिक्षक दर्शिका में दी गई प्रत्येक पाठ योजना में बताया गया है।

- प्रवेशिकाओं की भाँति इन कक्षाओं के लिए भी **फ़्लैश कार्ड** दिए गए हैं जिनका प्रयोग पूर्व कक्षाओं की भाँति ही करना है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 3 से 8 (कक्षा 3 से 8 के लिए)

- कक्षा 3 से 8 में शिक्षण हेतु गद्य, पद्य, कहानी एवं संवाद विधा से संबंधित पाठ दिए गए हैं।
- ये पाठ एवं इनके अभ्यास तथा व्याकरण अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।
- इन पुस्तकों में भी **डिजिटल** के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- **अभ्यासों** में मौखिक प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, लिखित प्रश्न, रिक्त स्थान, मिलान करना, किसने कहा? किससे कहा?, पाठ से संबंधित सही-गलत बात बताना, स्तर के अनुसार व्यावहारिक व्याकरण, चिंतन एवं समस्या समाधान, रचनात्मक कार्य, जीवन मूल्य तथा जीवन कौशल से संबंधित प्रश्नों एवं गतिविधियों का समावेश किया गया है।

डिजिटल सामग्री (नर्सरी से पाठमाला 8 के लिए)

नर्सरी से कक्षा 8 तक प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला से संबंधित डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इस सामग्री में **फ़्लैश कार्ड**, **ऑडियो** (अतिरिक्त पठन एवं शब्दावली हेतु), **QR Code (केवल कविताओं में)**, **पाठों का ऑडियो**, **पाठों का ऐनिमेशन**, **शब्दार्थों का ऐनिमेशन** तथा **ऑडियो पर आधारित प्रश्नों का समावेश** किया गया है। इनके प्रयोग के माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह पाठ योजना के अंतर्गत बताया गया है। शिक्षकों की सुविधा के लिए नीचे संक्षेप में इनका उद्देश्य बताया जा रहा है–

फ़्लैश कार्ड : इनका उद्देश्य अक्षर एवं शब्दों की पहचान करवाना है।

QR कोड : इनका उद्देश्य कविताओं को सुनकर समझना और कंठस्थ करना है।

पाठों का ऑडियो : इनका उद्देश्य पाठों को सुनकर कहानी और भाषा को समझना व सीखना है।

पाठों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य पाठ की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत करके विषय के प्रति विद्यार्थियों की रुचि जाग्रत करना है।

शब्दार्थों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य है कि विद्यार्थी शब्दों का अर्थ और भाव भली भाँति समझ जाए।

ऑडियो पर आधारित प्रश्न : इनका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी ने पाठ को कितना समझा है। इससे प्रश्न को सुनकर उसका उत्तर देने पर उनकी हिन्दी बोलने की कुशलता बढ़ेगी।

'कोयल' हिन्दी अभ्यास पुस्तिका नर्सरी से 8 (नर्सरी से कक्षा 8 के लिए)

अभ्यास पुस्तिकाएँ केवल सुलेख हेतु नहीं हैं। इनमें दी गई गतिविधियाँ तत्संबंधी पाठमाला में दिए गए अभ्यासों और दी गई गतिविधियों का विस्तार है।

- ये गतिविधियाँ भी नवीन शिक्षा नीति 2020 के सभी मानकों पर खरी उतरती हैं।
- विद्यार्थी इनके द्वारा लेखन का अभ्यास तो करेंगे ही, साथ-ही-साथ उनकी हिन्दी भाषा पर पकड़ भी मज़बूत होगी।
- इन अभ्यास पुस्तिकाओं में पाठ बोध (प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान, बहुविकल्पी प्रश्न) के साथ-साथ व्याकरण बोध और रचनात्मक कार्य भी दिया गया है।

'कोयल' हिन्दी शिक्षक दर्शिकाएँ (नर्सरी से 8)

ये शिक्षक दर्शिकाएँ नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण किस प्रकार दिया जाए, उस आधार पर तो तैयार की ही गई हैं, साथ ही इनको तैयार करते समय अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की हिन्दी पठन एवं पाठन में होने वाली असुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। इसके लिए इन शिक्षक दर्शिकाओं में–

- सबसे पहले **पाठ उपलब्धियाँ** दी गई हैं।
- इसके बाद **पाठों का सारांश** दिया गया है।
- तदनन्तर **पाठवार पाठ-योजना** दी गई है।
- पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका में दिए गए अभ्यास-प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं।

कुल 9 शिक्षक दर्शिकाएँ हैं। जिनमें नर्सरी, LKG और UKG प्रवेशिकाओं के लिए एक संयुक्त दर्शिका एवं प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के लिए अलग-अलग 8 दर्शिकाएँ हैं।

विद्यार्थियों का परीक्षण/मूल्यांकन कैसे करें

- 'मौखिक मूल्यांकन' शब्दों के शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तरों के शुद्ध उच्चारण के साथ-साथ उत्तर की सटीकता के आधार पर करें।
- इसी प्रकार 'लिखित मूल्यांकन' भी भाषा की शुद्धता और पाठ के आधार पर तथ्यों की सटीकता के माध्यम से करें।
- 'सोचिए और बताइए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों से निकलवाएँ और उनके उत्तरों की सटीकता का उनकी बौद्धिक क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करें।
- 'रचनात्मक कार्य' के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का मूल्यांकन लिखित, मौखिक, बौद्धिक क्षमता, पाठ का संदेश एवं रचनात्मकता की दृष्टि से किया जाए।

आशा है, ये दर्शिकाएँ, हिन्दी शिक्षण में अत्यन्त सहायक होंगी। सुझावों का स्वागत है।

कोयल सरल हिन्दी पाठमाला 1

पृष्ठ 1 : लोमड़ी और कौआ (चित्र कथा)

The Fox and the Crow (Picture story)

1. पृष्ठ पर दिए गए शिक्षण-संकेत देखें।
2. विद्यार्थियों को **एक-एक चित्र क्रम से दिखाकर कहानी सुनाएँ।** चित्र से सम्बन्धित प्रश्न पूछें, जैसे– चित्र में कौन-कौन सा पक्षी है? कौन-सा जानवर है? कौए के मुँह में क्या है? **कहानी के अन्त में पूछें कि कौन समझदार था? कौन मूर्ख था?** आदि।
3. **कहानी इस प्रकार है :** किसी जंगल में एक कौआ रहता था। हर कोई उससे दूर रहता था क्योंकि वह अपनी कर्कश आवाज़ में गाता रहता था। और सभी जानवर उससे परेशान रहते थे। एक दिन उसे कहीं से एक रोटी मिली। उसे अपनी चोंच में दबाकर वह पेड़ पर जा बैठा। एक लोमड़ी ने उसे देखा। रोटी को देखकर उसके मुँह में पानी आ गया। उसने कौए से कहा– कौए! तुम बहुत सुरीला गाते हो। एक गाना गाकर सुनाओ। गाने के लिए जैसे ही कौए ने चोंच खोली, रोटी उसकी चोंच से गिर गई। और, लोमड़ी लेकर भाग गई।
4. इसके बाद विद्यार्थियों से कहें कि वे **चित्र देखकर कहानी सुनाएँ।** कठिनाई होने पर आप सहायता करें।
5. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 1 में दिया गया अभ्यास** गृह-कार्य करने के लिए दे सकते हैं।

पृष्ठ 2-5 : आओ, वर्णमाला दोहराएँ Let's revise the alphabet

1. पृष्ठ पर दिए गए शिक्षण-संकेत देखें।
2. इन पृष्ठों पर पूरी वर्णमाला को दोहराया गया है। सबसे पहले आप पूरी वर्णमाला को पढ़ें।
3. विद्यार्थियों से कहें कि वे चित्र देखकर आपके पीछे-पीछे वर्णमाला दोहराएँ।

4. इसके बाद श्यामपट्ट पर कोई भी वर्ण लिखकर विद्यार्थियों से पूछें कि यह क्या है? विद्यार्थियों से उत्तर निकलवाएँ। **इस प्रकार पूरी वर्णमाला पूछ लें।**
5. विद्यार्थियों से **इन वर्णों से बनने वाले अन्य शब्द** भी पूछें। ये शब्द विद्यार्थी UKG कक्षा में पढ़ चुके हैं।
6. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 2 से 7 में दिया गया अभ्यास** गृह-कार्य के लिए दे सकते हैं।

पृष्ठ 7-9 : अभ्यास Exercise

इन तीनों पृष्ठों में वर्णमाला को लिखने का अभ्यास दिया गया है।

1. प्रत्येक पृष्ठ पर दिए गए **शिक्षण-संकेत** देखें।
2. **अभ्यास** निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
3. **अभ्यास** गृह-कार्य हेतु भी दे सकते हैं।

पृष्ठ 10 : गतिविधि Activity

यह गतिविधि विद्यार्थियों के मनोरंजन हेतु है। उन्हें स्वयं करने दें। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पृष्ठ 11 : रचनात्मक कार्य Creative work

1. विद्यार्थियों से **पतंगों में रंग भरने के लिए** कहें।
2. **कोई निर्देश न दें।** उन्हें अपने मनपसन्द रंग भरने दें।
3. **वे जो भी रंग भरें सराहना करें।** इससे उनमें आत्मविश्वास जाग्रत होगा।

पृष्ठ 12 : दो अक्षर वाले शब्द Two-letter words

1. पृष्ठ पर दिए गए शिक्षण-संकेत देखें।

2. विद्यार्थी **UKG कक्षा में इन शब्दों को सीख चुके हैं।** इसलिए **एक-एक चित्र पर उँगली रखकर विद्यार्थियों से पूछें कि यह क्या है?** वे न बता पाएँ तो आप बता दें।
3. इसके बाद **चित्रों के बारे में बातें करें।** कौन-सी चीज़ क्या है और किस उपयोग में आती है।
4. विद्यार्थियों को **शब्दों के अर्थ स्पष्ट** करें।
5. इसके बाद **एक-एक शब्द पढ़ें**, पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ।
6. अन्त में इन शब्दों का **छोटे-छोटे वाक्यों में प्रयोग** करें, जैसे–
   - **नल** में पानी आता है।
   - मुझे **फल** खाना अच्छा लगता है। आदि।
7. इन शब्दों को **श्रुतलेख में भी लिखवा सकते हैं।**
8. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 8 में दिया गया अभ्यास** गृह-कार्य के लिए दिया जा सकता है।

पृष्ठ 13 : तीन अक्षर वाले शब्द Three-letter words

1. इसे **पृष्ठ 12 की भाँति ही पढ़ाना** है। पृष्ठ पर दिए शिक्षण-संकेत देखें।
2. विद्यार्थी **पिछली कक्षा में इन शब्दों को सीख चुके हैं।** इसलिए एक-एक चित्र पर उँगली रखकर विद्यार्थियों से पूछें कि यह क्या है? वे न बता पाएँ तो आप बता दें।
3. इसके बाद **चित्रों के बारे में बातें करें।** कौन-सी चीज़ क्या है और किस उपयोग में आती है।
4. विद्यार्थियों को **शब्दों के अर्थ स्पष्ट** करें।
5. इसके बाद **एक-एक शब्द पढ़ें**, पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अन्त में इन **शब्दों का छोटे-छोटे वाक्यों में प्रयोग** करें। जैसे–
   - **कमल** पानी में मिलता है।
   - **बत्तख** पानी में तैरती है। आदि।
7. इन शब्दों को **श्रुतलेख में भी लिखवा सकते हैं।**
8. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 9 में दिया गया अभ्यास** गृह-कार्य के लिए दिया जा सकता है।

पृष्ठ 14 : चार अक्षर वाले शब्द Four-letter words

1. इसे **पृष्ठ 12 और 13 की भाँति ही पढ़ाना** है। पृष्ठ पर दिए शिक्षण-संकेत देखें।
2. विद्यार्थी **UKG कक्षा में इन शब्दों को सीख चुके हैं।** इसलिए **एक-एक चित्र पर उँगली रखकर विद्यार्थियों से पूछें कि यह क्या है?** वे न बता पाएँ तो आप बता दें।
3. इसके बाद **चित्रों के बारे में बातें करें।** कौन-सी चीज़ क्या है और किस उपयोग में आती है।
4. विद्यार्थियों को **शब्दों के अर्थ स्पष्ट** करें।
5. इसके बाद **एक-एक शब्द पढ़ें**, पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ।
6. पूर्व की भाँति **अन्त में शब्दों का वाक्य में प्रयोग** करवाएँ –
   - **सरकस** देखना अच्छा लगता है।
   - **शलगम** स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। आदि।
7. पूर्व की भाँति इन शब्दों को **श्रुतलेख** में लिखवाएँ।
8. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 10 में दिया गया अभ्यास** गृह-कार्य के लिए दिया जा सकता है।

पृष्ठ 15 : अभ्यास Exercise

अभ्यास निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पृष्ठ 16 : देखो और पहचानो–जंगली जानवर

Look and identity wild animals

पाठ्यपुस्तक में इसके पठन हेतु शिक्षण-संकेत दिए गए हैं। शिक्षण-संकेतों के अनुसार इस पृष्ठ पर विद्यार्थियों से बातचीत करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

पृष्ठ 17 : गलतियाँ ढूँढ़ो Spot the mistakes

1. यह गतिविधि विद्यार्थियों के मनोरंजन हेतु है। इस पृष्ठ को देखने भर से विद्यार्थी हँसेंगे भी और उनका मनोरंजन भी होगा।

2. आप इस पृष्ठ के सम्बन्ध में विद्यार्थियों से बातें कर सकते हैं। उनसे पूछें कि पृष्ठ में क्या-क्या गलतियाँ हैं।
3. इस गतिविधि में प्रत्येक विद्यार्थी की भागीदारी सुनिश्चित करें।

पृष्ठ 18 : अंगों के नाम Functions of our organs

1. इस पृष्ठ पर दो-दो पंक्तियों की **कविताओं के माध्यम से शरीर के प्रमुख अंगों के नाम** सिखाए गए हैं।
2. इस पृष्ठ का **ऑडियो** भी है।
3. **ऑडियो सुनाने से पूर्व** प्रत्येक कविता में जिस अंग का नाम है, उसका कई बार **उच्चारण करवाएँ** ताकि वह नाम विद्यार्थियों को कंठस्थ हो जाए।
4. फिर **ऑडियो सुनवाएँ** ताकि विद्यार्थी दी गई कविताएँ समझ सकें।
5. आप ऐसा भी कर सकते हैं कि **पहले कविता स्वयं पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।

पृष्ठ 19 : फलों को पहचानो Know the fruits

1. इस पृष्ठ पर **फलों के चित्र और उनके नाम** दिए गए हैं। विद्यार्थियों को एक-एक चित्र दिखाकर उस फल का नाम पूछें। कुछ विद्यार्थी अंग्रेज़ी या अपनी मातृभाषा में फल का नाम बता सकते हैं। तब आप उन्हें **फल के हिन्दी नाम से परिचित करवाएँ**।
2. इसके बाद पृष्ठ का **ऑडियो सुनवाकर** फलों के नाम कंठस्थ करवाएँ।
3. फिर पूरी कक्षा से फलों के नामों का उच्चारण करवाएँ।
4. अन्त में **फ़्लैश कार्ड** से खेल खिलवाएँ।
5. **फ़्लैश कार्ड के खेल में चित्र और उसके नाम का कार्ड–दोनों एक साथ आने पर "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 20 : 'आ' की मात्रा (ा)

1. विद्यार्थी यद्यपि UKG में मात्रा का परिचय प्राप्त कर चुके हैं, फिर भी उनको **मात्रा का परिचय करवाएँ**। श्यामपट्ट पर तीनों शब्द लिखकर उसी प्रकार समझाएँ जिस प्रकार पुस्तक में दिया और समझाया गया है।

2. अब इस पृष्ठ पर दिए गए **चित्रों के नाम फिर से पूछें।** जब बच्चे नाम बता दें तब पूछें कि इनके नामों में **आ की मात्रा** कहाँ-कहाँ लगी हुई है।
3. अब फिर से चित्रों के **नामों का उच्चारण** करवाएँ। **आ की मात्रा पर ज़ोर दें**।
4. इसके बाद **चार** एवं **कार** शब्दों को श्यामपट्ट पर समझाएँ–

   च + ा = **चा** + र = **चार**

   क + ा = **का** + र = **कार**।
5. अब इन शब्दों का **दो-तीन बार ऑडियो** सुनवाएँ। उन्हें निर्देश दें कि जिस शब्द का ऑडियो चल रहा हो, उस **शब्द पर उँगली रखें**।
6. अब इन शब्दों को उनसे बुलवाएँ। **पहले आप बोलें, फिर पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।** इससे उन्हें ये शब्द कंठस्थ हो जाएँगे तथा वे इसी प्रकार के अन्य शब्द बना सकेंगे।
7. इस पृष्ठ पर दिए गए शब्द बहुत सरल हैं और **कुछ तुकान्त शब्द हैं।** विद्यार्थी इन्हें सरलतापूर्वक पढ़ सकते हैं।
8. इसके बाद आप **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिला सकते हैं। **फ़्लैश कार्ड के खेल में चित्र और उसके नाम का कार्ड–दोनों एक साथ आने पर "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 21 : राजा और राधा Reading Text

1. सबसे पहले **पाठ की भूमिका** बना दें। **पाठ का नाम बताएँ** – राधा और राजा। विद्यार्थियों से कहें कि इस पाठ में दो बच्चे–**राधा** और **राजा** हैं। दोनों के नाम में **आ की मात्रा** है– **राधा**, रा**जा**।
2. अब जिन विद्यार्थियों के नाम में **आ की मात्रा** आती हो, उनका नाम बोलें और बताएँ कि उनके नाम में भी **आ की मात्रा** आती है।
3. अब एक-एक शब्द पर उँगली रखवाते हुए पाठ पढ़ाएँ। निर्देश दें कि पाठ में **आ की मात्रा** को **लाल रंग** से दर्शाया गया है। उस पर ध्यान दें।
4. अब **पाठ पढ़ाएँ**। पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। ये अभ्यास शब्दों की समझ को सुदृढ़ करेगा ही, साथ ही वाक्यों में आए शब्द उन्हें कंठस्थ हो जाएँगे।
5. अब दो या तीन बार **पाठ का ऑडियो** सुनवा दें। इससे उन्हें **आ की मात्रा वाले शब्द** कंठस्थ हो जाएँगे।

पृष्ठ 22 : पढ़ो और समझो Read and understand

1. इस पृष्ठ पर सिखाया गया है कि **आ की मात्रा** का स्थान बदलने पर शब्द का अर्थ बदल जाता है।
2. विद्यार्थियों को एक-एक उदाहरण श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँ–
   कला काल काला
3. यदि किसी विद्यार्थी को किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं है तो उसका अर्थ समझा दें।
4. विद्यार्थियों से कहें कि वे घर पर भी इन शब्दों और वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करें।
5. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 13, 14, 15 पर दिए गए अभ्यास** गृह-कार्य के लिए दें। अथवा इनमें से कुछ अभ्यास कक्षा-कार्य में भी करवा सकते हैं।

पृष्ठ 23 : अभ्यास Exercise

अभ्यास कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
आप श्यामपट्ट पर अभ्यास कार्य समझा भी सकते हैं।

अभ्यासों के उत्तर Answers

1. ☑ अनार ☑ अनार ☑ टमाटर
2. माला तारा बाजा छाता
3. कार बात जाला मामा भारत सागर

(विद्यार्थी अपनी पसंद के दूसरे शब्द भी लिख सकते हैं।)

पृष्ठ 24 : 'इ' की मात्रा (ि)

1. **'आ की मात्रा'** पाठ की भाँति ही एक बार फिर विद्यार्थियों को **'इ की मात्रा' का परिचय करवाएँ**। श्यामपट्ट पर तीनों शब्द लिख कर उसी प्रकार समझाएँ जिस प्रकार पुस्तक में समझाते हुए दिया गया है।
2. **पृष्ठ 20** की भाँति इस **पृष्ठ 24** पर दिए गए चित्रों के नाम फिर से पूछें। जब विद्यार्थी नाम बता दें तब पूछें कि इनके नामों में **इ की मात्रा** कहाँ-कहाँ लगी हुई है?
3. अब फिर से चित्रों के नामों का उच्चारण करवाएँ। **इ की मात्रा पर ज़ोर दें**।
4. इसके बाद **फिर** एवं **गिर** शब्दों को श्यामपट्ट पर समझाएँ –
   फ + इ = फि + र = फिर
   ग + इ = गि + र = गिर

5. अब इन **शब्दों का दो-तीन बार ऑडियो सुनवाएँ**। उन्हें निर्देश दें कि जिस शब्द का **ऑडियो** चल रहा हो, **उस शब्द पर उँगली रखें**।
6. अब **पढ़ो** के अन्तर्गत दिए गए शब्दों को उनसे बुलवाएँ। पहले आप पढ़ें और फिर पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें ये शब्द कंठस्थ हो जाएँगे तथा वे इसी प्रकार के अन्य शब्द बना सकेंगे।
7. इस पृष्ठ पर दिए गए **अधिकतर शब्द तुकान्त** हैं। जैसे **फिर-गिर**, **तिल-बिल**, **चित्र-मित्र** आदि तुकान्त शब्द हैं। विद्यार्थी इन्हें सरलतापूर्वक पढ़ सकते हैं।
8. इसके बाद आप **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवा सकते हैं। **फ़्लैश कार्ड के खेल में चित्र और उसके नाम का कार्ड–दोनों एक साथ आने पर "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 25 : दिन निकल आया Reading Text

1. सबसे पहले **पाठ की भूमिका बना दें**। पाठ का नाम बताएँ – **दिन निकल आया**। कहें कि इस पाठ में दो बच्चे हैं– **कविता** और **विकास**। उन दोनों के नाम में **इ की मात्रा** है।
2. अब कक्षा में जिन विद्यार्थियों के नाम में **इ की मात्रा** आती हो, उनका नाम बोलें और बताएँ कि उनके नाम में भी **इ की मात्रा** आती है।
3. अब एक-एक **शब्द पर उँगली रखवाते हुए पाठ पढ़ाएँ**। निर्देश दें कि पाठ में **इ की मात्रा** को **लाल रंग** से दर्शाया गया है। उस पर ध्यान दें।
4. अब **पाठ पढ़ाएँ** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। ये अभ्यास शब्दों की समझ को सुदृढ़ करेगा ही, साथ ही वाक्यों में आए शब्द उन्हें कंठस्थ हो जाएँगे।
5. अब दो या तीन बार **पाठ का ऑडियो सुनवा दें**। इससे उन्हें **इ की मात्रा वाले शब्द** कंठस्थ हो जाएँगे।
6. यदि किसी विद्यार्थी को किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं है तो उसको उसका अर्थ समझा दें।
7. विद्यार्थियों से कहें कि वे घर पर भी इन शब्दों और वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करें।
8. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 16, 17, 18 में दिया गया अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य के रूप में करवा सकते हैं।

पृष्ठ 26 : अभ्यास Exercise

अभ्यास कार्य निर्देशानुसार करवाएँ। आप श्यामपट्ट पर अभ्यास कार्य समझा भी सकते हैं।

अभ्यासों के उत्तर Answers

1. ☑ पहिया ☑ हिरण ☑ गिलास
2. | किसान | | पहिया | | चिड़िया | | दिन |
3. बिल निधि निधि
   गिलास बारिश किरण

(विद्यार्थी अपनी पसंद के अन्य शब्द भी लिख सकते हैं।)

पृष्ठ 27 : मीठे मीठे फल Delicious fruits (सुनो कविता)

1. इस पृष्ठ पर **आम**, **केला** और **लीची** से सम्बन्धित तीन कविताएँ दी गई हैं।
2. विद्यार्थियों को **कविताओं का ऑडियो सुनवाएँ।**
3. **कविताएँ कंठस्थ करवाएँ।** ये कविताएँ केवल विद्यार्थियों के सुनने के लिए हैं, उनके द्वारा पढ़ने के लिए नहीं।

पृष्ठ 28 : रंग भरो Colour the picture

विद्यार्थियों से दिए गए चित्र में रंग भरवाएँ। आप रंग के विषय में कोई निर्देश न दें। वे अपने मनपसन्द रंग भर सकते हैं।

पृष्ठ 29 : रंग-बिरंगे प्यारे फूल Identify the colourful flowers

इस पृष्ठ पर फूलों के चित्र दिए गए हैं। विद्यार्थियों को फूलों के नामों से परिचित करवाएँ और उनकी पहचान करवाएँ।

पृष्ठ 30 : 'ई' की मात्रा (ी)

1. **'आ' की मात्रा** और **'ई' की मात्रा** पाठों की भाँति ही विद्यार्थियों को **'ई' की मात्रा** का परिचय करवाएँ। श्यामपट्ट पर तीनों शब्द **'सीढ़ी'**, **'लीची'** एवं **'सीटी'** लिख कर उसी प्रकार समझाएँ, जिस प्रकार पुस्तक में समझाते हुए दिया गया है।
2. इसके बाद दिए गए **चित्रों के नाम** फिर से **पूछें**। जब विद्यार्थी नाम बता दें, तब पूछें कि इनके नामों में **ई की मात्रा** कहाँ-कहाँ लगी हुई है?
3. अब फिर से **चित्रों के नामों का उच्चारण करवाएँ। ई की मात्रा पर बल दें**।
4. इसके बाद **'पढ़ो'** शीर्षक के अन्तर्गत दिए गए प्रथम दो शब्दों – **खीर** एवं **तीर** को श्यामपट्ट पर समझाएँ –

   ख + ी = **खी** + र = **खी**र

   त + ी = **ती** + र = **ती**र

   समझाएँ कि इस मात्रा वाले अन्य शब्द भी इसी प्रकार बने हैं।
5. अब इन सभी शब्दों का **ऑडियो दो-तीन बार सुनवाएँ**। उन्हें निर्देश दें कि जिस **शब्द का ऑडियो चल रहा हो**, **उस शब्द पर उँगली रखें।**
6. इसके बाद इन शब्दों को विद्यार्थियों से बुलवाएँ। पहले आप बोलें, फिर पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें ये शब्द कंठस्थ हो जाएँगे। साथ ही, वे इसी प्रकार के अन्य शब्द बना भी सकेंगे।
7. इस पृष्ठ पर **'पढ़ो' के अन्तर्गत** दिए गए **कई शब्द तुकान्त** हैं। जैसे– **खीर-तीर; छड़ी-खड़ी; पीला-नीला**, आदि। अत: विद्यार्थी इन्हें सरलतापूर्वक पढ़ सकते हैं।
8. अब आप **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिला सकते हैं। **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवाते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि **जब चित्र और उसका नाम, दोनों एक साथ आ जाएँ, तब उन्हें "बिंगो" बोलना है**।

पृष्ठ 31 : नीना की नानी Reading Text

1. सबसे पहले **पाठ की भूमिका बना दें**। पाठ का नाम बताएँ – **नीना की नानी**। कहें कि इस पाठ में जितने भी नाम आए हैं – लोगों के और वस्तुओं के जैसे **नीना, साड़ी, मीरा, लीची, पपीता, ककड़ी, खीर, आदि**– उन **सबके नाम में ई की मात्रा** है।
2. अब कक्षा में जिन विद्यार्थियों के नाम में **ई की मात्रा** आती हो, उनका नाम बोलें और बताएँ कि उनके नाम में भी **ई की मात्रा** आती है।

3. अब एक-एक **शब्द पर उँगली रखवाते हुए पाठ पढ़ाएँ**। निर्देश दें कि पाठ में **ई की मात्रा** को **लाल रंग से दर्शाया गया है**, उस पर ध्यान दें।
4. अब **पाठ पढ़ाएँ**, पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ। यह अभ्यास शब्दों की समझ तो सुदृढ़ करेगा ही, साथ ही वाक्यों में आए शब्द उन्हें कंठस्थ हो जाएँगे।
5. अब **दो या तीन बार पाठ का ऑडियो सुनवा दें**। इससे उन्हें **ई की मात्रा वाले शब्द** कंठस्थ हो जाएँगे।
6. यदि किसी विद्यार्थी को किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं है तो उसका अर्थ समझा दें।
7. विद्यार्थियों से कहें कि वे घर पर भी इन शब्दों और वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करें।
8. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 21, 22, 23 में दिया गया अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य के लिए दिया जा सकता है।

पृष्ठ 32 : अभ्यास Exercise

अभ्यास कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें। आप श्यामपट्ट पर ये **अभ्यास कार्य** समझा भी सकते हैं।

अभ्यासों के उत्तर Answers

1. ☑ पपीता ☑ परी ☑ चाबी
2. | तितली | सीटी | थाली | बकरी |
3. लीची छड़ी गीत
   चपाती मछली पपीता

(विद्यार्थी अपनी पसंद के अन्य शब्द भी लिख सकते हैं।)

पृष्ठ 33 : आओ दिमाग लड़ाएँ! Let's solve this!

इस पृष्ठ पर दी गई गतिविधि **'आओ, दिमाग लड़ाएँ!'** को कक्षा में ही करवाएँ। कठिनाई होने पर आप उनकी मदद करें। इस गतिविधि को करने में विद्यार्थियों को बहुत आनन्द आएगा।

पृष्ठ 34 : चलो, पौधा लगाएँ! Come, let's plant a tree!

इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों के विषय में विद्यार्थियों से बातें करें। उन्हें पेड़-पौधों का महत्त्व समझाएँ। उनसे मिलने वाली वस्तुओं के विषय में बताएँ। यह भी बताएँ कि पेड़-पौधे हमारी धरती को हरा-भरा और सुन्दर बनाते हैं। उन्हें विद्यालय या घर के आस-पास अथवा किसी बगीचे में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करें।

पृष्ठ 35 : मैं और मेरा परिवार I and my family

1 इस पृष्ठ पर दी गई **गतिविधि 'मैं और मेरा परिवार'** का उद्देश्य विद्यार्थियों को रिश्ते-नातों के नामों से परिचित करवाना है।

2. विद्यार्थियों से उनके परिवार के बारे में बातें करें। पूछें कि उनके परिवार में कौन-कौन हैं। उनको दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची, भैया (भाई), दीदी (बहन), नाना-नानी, बुआ-फूफा, आदि रिश्ते-नातों के नामों से परिचित करवाएँ।

पृष्ठ 36 : 'उ' की मात्रा (ु)

1. **आ की मात्रा, इ की मात्रा** और **ई की मात्रा** पाठों की भाँति ही **'उ' की मात्रा** पढ़ाएँ। श्यामपट्ट पर तीनों शब्द – **'पुल'**, **'कुली'** एवं **'गुलाब'** लिख कर उसी प्रकार समझाएँ, जिस प्रकार पुस्तक में समझाकर दिया गया है।
2. इसके बाद दिए गए चित्रों के नाम फिर से पूछें। जब विद्यार्थी नाम बता दें, तब पूछें कि इनके नामों में **उ की मात्रा** कहाँ-कहाँ लगी हुई है?
3. अब फिर से चित्रों के **नामों का उच्चारण** करवाएँ। **उ की मात्रा पर बल दें**।
4. इसके बाद **'पढ़ो'** शीर्षक के अन्तर्गत दिए गए दो शब्दों – **सुन** एवं **छुप** को श्यामपट्ट पर समझाएँ –

   स + ु = **सु** + **न** = **सुन**

   छ + ु = **छु** + **प** = **छुप**

   समझाएँ कि अन्य शब्द भी इसी प्रकार बने हैं।
5. अब इन सभी शब्दों का **ऑडियो दो-तीन बार सुनवाएँ**। उन्हें निर्देश दें कि जिस शब्द का **ऑडियो** चल रहा हो, उस **शब्द पर उँगली रखें**।
6. इसके बाद इन शब्दों को विद्यार्थियों से बुलवाएँ। पहले आप बोलें, फिर पीछे-पीछे

विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें ये शब्द कंठस्थ हो जाएँगे। साथ ही, वे इसी प्रकार के अन्य शब्द बना भी सकेंगे।

7. इस पृष्ठ पर दिए गए कुछ शब्द तुकान्त हैं। जैसे– **सुख-दु:ख**, **चुप-छुप**, **बुढ़िया-गुड़िया**, आदि। अत: विद्यार्थी इन्हें सरलता पूर्वक पढ़ सकते हैं।
8. अब आप **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवा सकते हैं। **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवाते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि **जब चित्र और उसका नाम, दोनों एक साथ आ जाएँ, तब उन्हें "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 37 : मधु की गुड़िया Reading Text

1. सबसे पहले **पाठ की भूमिका** बना दें। **पाठ का नाम बताएँ – मधु की गुड़िया।** कहें कि इस पाठ में जितने भी नाम आए हैं – लोगों के, पशुओं के और वस्तुओं के– **मधु, गुड़िया, चुहिया, सुमन,** आदि – **उन सबके नाम में 'उ की मात्रा'** है।
2. अब कक्षा में जिन विद्यार्थियों के नाम में **उ की मात्रा** आती हो, उनका नाम बोलें और बताएँ कि उनके नाम में भी **उ की मात्रा** आती है।
3. अब **एक-एक शब्द पर उँगली रखवाते हुए पाठ पढ़ाएँ।** निर्देश दें कि पाठ में **उ की मात्रा** को **लाल रंग से** दर्शाया गया है, उस पर ध्यान दें।
4. अब **पाठ पढ़ाएँ**, पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ। यह अभ्यास शब्दों की समझ तो सुदृढ़ करेगा ही, साथ ही वाक्यों में आए शब्द उन्हें कंठस्थ हो जाएँगे।
5. अब दो या तीन बार **पाठ का ऑडियो सुनवा दें।** इससे उन्हें **उ की मात्रा वाले शब्द कंठस्थ** हो जाएँगे।
6. यदि किसी विद्यार्थी को किसी **शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं है तो उसे उसका अर्थ समझा** दें।
7. विद्यार्थियों से कहें कि वे घर पर भी इन शब्दों और वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करें।
8. **अभ्यास पुस्तिका में पृष्ठ 24, 25, 26 पर दिया गया अभ्यास** कक्षा-कार्य एवं गृह-कार्य हेतु दिया जा सकता है।

पृष्ठ 38 : अभ्यास Exercise

अभ्यास कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
आप श्यामपट्ट पर भी अभ्यास कार्य समझा भी सकते हैं।

अभ्यासों के उत्तर Answers

1. ☑ पुल ☑ गुलाब ☑ कछुआ

2. | बटुआ | कुरता | साबुन | गुड़िया |
|---|---|---|---|

3. दुकान बगुला कुरसी

   मधुर सुबह सुनार

(विद्यार्थी अपनी पसंद के अन्य शब्द भी लिख सकते हैं।)

पृष्ठ 39 : 'ऊ' की मात्रा (ू)

1. **आ (ा), इ (ि), ई (ी) और उ (ु) के मात्रा पाठों** की भाँति ही विद्यार्थियों को **'ऊ' की मात्रा (ू)** का परिचय करवाएँ। श्यामपट्ट पर तीनों शब्द – **'चूहा'**, **'मूली'** एवं **'झूला'** लिखकर उसी प्रकार समझाएँ, जिस प्रकार पुस्तक में समझाते हुए दिया गया है।
2. इसके बाद दिए गए **चित्रों के नाम फिर से पूछें**। जब विद्यार्थी नाम बता दें, तब पूछें कि इनके **नामों में ऊ की मात्रा** कहाँ-कहाँ लगी हुई है?
3. अब फिर से **चित्रों के नामों का उच्चारण करवाएँ। ऊ की मात्रा पर बल दें**।
4. इसके बाद **'देखो, समझो और पढ़ो' शीर्षक के अन्तर्गत दिए गए पहले दो शब्दों** – **धूल** एवं **भूल** को श्यामपट्ट पर समझाएँ–

   ध + ◌ू = धू + **ल** = **धूल**

   भ + ◌ू = भू + **ल** = **भूल**

   समझाएँ कि अन्य शब्द भी इसी प्रकार बने हैं।
5. अब इस पृष्ठ पर दिए **सभी शब्दों का ऑडियो दो-तीन बार सुनवाएँ**। उन्हें निर्देश दें कि **जिस शब्द का ऑडियो चल रहा हो, उस शब्द पर उँगली रखें**।
6. इसके बाद इन सभी शब्दों को विद्यार्थियों से बुलवाएँ। पहले आप बोलें, फिर पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ। इससे उन्हें ये शब्द कंठस्थ हो जाएँगे। साथ ही, वे इसी प्रकार के अन्य शब्द बना भी सकेंगे।
7. इस पृष्ठ पर **पढ़ो** के अन्तर्गत दिए गए शब्द बहुत सरल हैं। जैसे– **आलू, फूल, धूल, भूल**, आदि। अत: विद्यार्थी इन्हें सरलता पूर्वक पढ़ सकते हैं।
8. अब आप **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवा सकते हैं। **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवाते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि जब **चित्र और उसका नाम, दोनों एक साथ आ जाएँ, तब उन्हें "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 40 : जूही की चुनरी Reading Text

1. सबसे पहले **पाठ की भूमिका** बना दें। **पाठ का नाम** बताएँ – **जूही की चुनरी**। कहें कि इस पाठ में तीन लड़कियों के नाम आए हैं **जूही**, **पूजा** और **पूनम**– तीनों के नाम में **ऊ की मात्रा** है।
2. अब कक्षा में जिन **विद्यार्थियों के नाम में ऊ की मात्रा** आती हो, उनका नाम बोलें और बताएँ कि उनके नाम में भी **ऊ की मात्रा** आती है।
3. अब **एक-एक शब्द पर उँगली रखवाते हुए पाठ पढ़ाएँ**। निर्देश दें कि पाठ में **ऊ की मात्रा को लाल रंग से** दर्शाया गया है, **उस पर ध्यान दें**।
4. अब **आप पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ। यह अभ्यास **शब्दों की समझ** तो सुदृढ़ करेगा ही, साथ ही वाक्यों में आए शब्द उन्हें कंठस्थ हो जाएँगे।
5. अब दो या तीन बार **पाठ का ऑडियो सुनवा दें**। इससे उन्हें **ऊ की मात्रा वाले शब्द कंठस्थ** हो जाएँगे।
6. यदि किसी विद्यार्थी को किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं है तो उसका अर्थ समझा दें।
7. विद्यार्थियों से कहें कि वे घर पर भी इन शब्दों और वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करें।
8. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 29, 30, 31 में दिया गया कार्य** गृह-कार्य हेतु दें।

पृष्ठ 41 : अभ्यास Exercise

इस पृष्ठ पर दिया **अभ्यास कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें। आप श्यामपट्ट पर अभ्यास कार्य समझा भी सकते हैं।

अभ्यासों के उत्तर Answers

1. ☑ आलू ☑ दूध ☑ मूली
2. खरबूजा भालू झूला चूहा
3. दूध पूजा खजूर घूमना
   नाखून सूरज

(विद्यार्थी अपनी पसंद के अन्य शब्द भी लिख सकते हैं।)

पृष्ठ 42 : तरह-तरह के पेड़ Identify the trees around

1. **पृष्ठ 34** पर दी गई **गतिविधि पौधे लगाने पर आधारित** थी। **पृष्ठ 42** अर्थात् इस पृष्ठ पर पर दी गई जानकारी को उस गतिविधि से जोड़ें। उस गतिविधि के विषय में थोड़ी बात करें : जैसे– पौधा कैसे लगाते हैं? उसे बीज से लेकर पेड़ बनने तक किस किसकी आवश्यकता होती है। बड़ा होकर कुछ वर्षों में वृक्ष फल देने लगता है। फिर इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों के विषय में विद्यार्थियों से बातें करें। उन्हें इन पेड़ों के नाम बताएँ। पूछें, क्या उन्होंने ये पेड़ देखे हैं? इन पेड़ों से हमें क्या-क्या मिलता है? फिर पुनः पेड़-पौधों का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि पेड़-पौधे हमारी धरती को हरा-भरा और सुंदर बनाते हैं। उन्हें विद्यालय या घर के आस-पास अथवा किसी बगीचे में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करें।
2. अब **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवाएँ। **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि **जब चित्र और उसका नाम, दोनों एक साथ आ जाएँ, तब उन्हें "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 43 : रंग भरो, गाना गाओ! Colour and sing

1. इस पृष्ठ पर दी गई **गतिविधि 'रंग भरो, गाना गाओ!'** को कक्षा में ही करवाएँ। यह गतिविधि करने में विद्यार्थियों को बहुत आनन्द आएगा।
2. विद्यार्थियों को **मछली में अपनी पसंद का रंग भरने दें।** इससे उनमें सृजनात्मकता का विकास होगा।
3. इसके बाद **चार-पाँच बार कविता का ऑडियो सुनवाएँ**। फिर आप कविता गाएँ और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाकर कविता कंठस्थ करवा दें।

पृष्ठ 44 : ये पक्षी Birds

1. इस पृष्ठ पर दिए गए **चित्रों के विषय में विद्यार्थियों से बातें** करें।
2. एक-एक चित्र दिखाकर इस पृष्ठ का **ऑडियो सुनवाएँ**।
3. फिर दिए गए **पक्षियों के नाम पहले आप बोलें, पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ।** इस अभ्यास से उन्हें इन पक्षियों के नाम कंठस्थ हो जाएँगे।
4. इसके बाद **उन्हें पक्षियों का महत्त्व समझाएँ**। बताएँ कि किस प्रकार पक्षी हानिकारक कीड़ों को खाकर किसानों की सहायता करते हैं।

5. यह भी बताएँ कि पेड़-पौधों की तरह पक्षी भी हमारी धरती को और प्रकृति को सुन्दर बनाते हैं। उन्हें बताएँ कि पक्षियों के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। इस बारे में बातें करें।
6. अन्त में **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवाएँ। **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि जब **चित्र और उसका नाम, दोनों एक साथ आ जाएँ, तब उन्हें "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 45 : पालतू पशु Our pets

1. इस पृष्ठ पर दिए गए **चित्रों के विषय में विद्यार्थियों से बातें** करें।
2. **एक-एक चित्र दिखाकर इस पृष्ठ का ऑडियो सुनवाएँ।**
3. फिर दिए गए **पशुओं के नाम पहले आप बोलें, पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ।** इस अभ्यास से उन्हें इन पशुओं के नाम कंठस्थ हो जाएँगे।
4. इसके बाद उन्हें पशुओं का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि किस प्रकार पशु सदियों से मानव के सहायक रहे हैं।
5. इसके बाद बताएँ कि पेड़-पौधे और पक्षियों की तरह पशु भी हमारी धरती को और प्रकृति को सुंदर बनाते हैं। उन्हें बताएँ कि पशुओं के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। इस बारे में बातें करें, विद्यार्थियों के विचार सुनें।
6. अन्त में **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवाएँ। **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि जब **चित्र और उसका नाम, दोनों एक साथ आ जाएँ, तब उन्हें "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 46 : 'ऋ' की मात्रा (ृ)

1. **आ (ा), इ (ि), ई (ी), उ (ु), और ऊ (ू) के मात्रा-पाठों की भाँति** विद्यार्थियों को **'ऋ' की मात्रा (ृ)** का परिचय करवाएँ।
2. श्यामपट्ट पर **तीनों शब्द – 'वृक्ष'**, **'नृप'** एवं **'मृग' लिखकर** उसी प्रकार समझाएँ, जिस प्रकार पुस्तक में समझाते हुए दिया गया है।
3. इसके बाद **दिए गए चित्रों के नाम फिर से पूछें।** जब विद्यार्थी नाम बता दें, तब पूछें कि इनके नामों में **ऋ की मात्रा** कहाँ-कहाँ लगी हुई है?
4. अब फिर से **चित्रों के नामों का उच्चारण** करवाएँ। **ऋ की मात्रा पर बल** दें।
5. इसके बाद **'पढ़ो'** शीर्षक के अन्तर्गत दिए गए प्रथम दो शब्दों–**गृह** एवं **मृदु**–को

श्यामपट्ट पर समझाएँ

ग + ृ = गृ + **ह** = गृह

म + ृ = मृ + **द** + **उ** = **दु** = **मृदु**

समझाएँ कि अन्य शब्द भी इसी प्रकार बने हैं।

6. अब इन **सभी शब्दों का ऑडियो दो-तीन बार सुनवाएँ।** उन्हें निर्देश दें कि **जिस शब्द का ऑडियो चल रहा हो, उस शब्द पर उँगली रखें।**
7. इसके बाद इन शब्दों को उनसे बुलवाएँ। पहले आप बोलें, फिर पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ। इससे उन्हें ये शब्द कंठस्थ हो जाएँगे। साथ ही, वे इसी प्रकार के अन्य शब्द बना भी सकेंगे। इस पृष्ठ पर दिए गए शब्द सरल तो नहीं हैं, पर विद्यार्थी इन्हें सरलतापूर्वक पढ़ सकते हैं।
8. अब आप **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवा सकते हैं। **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि **जब चित्र और उसका नाम, दोनों एक साथ आ जाएँ, तब उन्हें "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 47 : एक मृग आया Reading Text

1. सबसे पहले **पाठ की भूमिका बना दें**। **पाठ का नाम** बताएँ **'एक मृग आया'**। कहें कि इस **पाठ में जितने भी नाम आए हैं– मृग, वृक्ष, तृण, वृप, गृह**, आदि– **उन सबमें ऋ की मात्रा (ृ) है।**
2. अब कक्षा में जिन **विद्यार्थियों के नाम में ऋ की मात्रा** आती हो, उनका नाम बोलें और बताएँ कि उनके नाम में भी **ऋ की मात्रा** आती है।
3. अब एक-एक शब्द पर उँगली रखवाते हुए पाठ पढ़ाएँ। निर्देश दें कि पाठ में **ऋ की मात्रा** को **लाल रंग से** दर्शाया गया है, **उस पर ध्यान दें।**
4. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से भी बुलवाएँ। यह अभ्यास शब्दों की समझ तो सुदृढ़ करेगा ही, साथ ही वाक्यों में आए शब्द उन्हें कंठस्थ हो जाएँगे।
5. अब दो या तीन बार **पाठ का ऑडियो सुनवा दें**। इससे उन्हें **ऋ की मात्रा वाले शब्द** कंठस्थ हो जाएँगे।
6. यदि किसी विद्यार्थी को किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं है तो उसका अर्थ समझा दें।
7. विद्यार्थियों से कहें कि वे घर पर भी इन शब्दों और वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करें।
8. **अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 32, 33, 34 में दिया गया कार्य** गृह-कार्य हेतु दें।

पृष्ठ 48 : अभ्यास Exercise

इस पृष्ठ पर दिया गया **अभ्यास कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

आप श्यामपट्ट पर **अभ्यास कार्य** समझा भी सकते हैं।

अभ्यासों के उत्तर Answers

1. | पृथ्वी | | वृक्ष | | नृप | | कृषक |
2. विद्यार्थी लिखे हुए शब्दों को देखकर पुनः लिखेंगे।
3. दृश्य कृपा दृढ़ गृह

(विद्यार्थी अपनी पसंद के अन्य शब्द भी लिख सकते हैं।)

पृष्ठ 49 : रचनात्मक कार्य Creative work

1. इस पृष्ठ पर 'रचनात्मक कार्य' के अन्तर्गत दी गई गतिविधि करने में विद्यार्थियों को बहुत आनन्द आएगा।
2. इन चित्रों में रंग भरने से विद्यार्थियों में सृजनात्मकता का विकास होगा।
3. चित्रों में रंग भरने का कार्य कक्षा-कार्य के रूप में दिया जा सकता है।
4. चित्रों का नाम लिखने के लिए गृह-कार्य हेतु दिया जा सकता है।
5. चित्रों का नाम लिखने से उनके शब्द भण्डार में वृद्धि होगी।

पृष्ठ 50 : कछुए और खरगोश की दौड़

The Rabbit and Tortoise Race

इस पृष्ठ पर 1 से लेकर 8 चित्र हैं जो एक प्रसिद्ध लोक कथा पर आधारित हैं। विद्यार्थियों को इस पृष्ठ पर दी गई कहानी चित्रों के क्रमानुसार इस प्रकार सुनाएँ।

चित्र 1 : किसी जंगल में एक कछुआ और खरगोश रहते थे। एक दिन कछुआ धीरे-धीरे चल कर कहीं जा रहा था। तभी वहाँ एक खरगोश आ गया। वह कछुए की धीमी चाल देखकर उसका मज़ाक उड़ाते हुए बोला "तुम तो बहुत धीरे चलते हो!" यह सुनकर कछुआ बोला, "चलो, एक दौड़ लगाते हैं। देखते हैं, कौन जीतता है!" खरगोश मान जाता है।

चित्र 2 : दोनों दौड़ लगाने के लिए निर्धारित स्थान पर पहुँच जाते हैं।

चित्र 3 : खरगोश छलाँगें मारता हुआ बहुत दूर निकल जाता है। वह पीछे मुड़कर देखता है तो उसे कछुआ दिखाई नहीं देता।

चित्र 4 : खरगोश सोचता है "कछुआ तो अभी बहुत पीछे होगा। मैं थोड़ी देर आराम कर लेता हूँ।" यह सोचकर वह एक पेड़ के नीचे सो जाता है। बहुत समय बीत गया। कछुआ धीरे-धीरे चलता हुआ वहाँ पहुँच जाता है। उसने देखा, खरगोश तो सो रहा है।

चित्र 5 : पर वह आराम करने के लिए नहीं रुका। वह चलता ही रहा। धीरे-धीरे चलता हुआ कछुआ तय स्थान पर पहुँच गया।

चित्र 6 : उसी समय खरगोश की आँख खुली। बहुत समय बीत गया था। वह घबराकर बहुत तेज़ी से दौड़ा।

चित्र 7 : पर तब तक कछुआ दौड़ जीत चुका था। सब जानवर ताली बजा रहे थे।

चित्र 8 : जब खरगोश वहाँ पहुँचा तो भालू कछुए को दौड़ जीतने का पुरस्कार दे रहा था। यह देखकर खरगोश बहुत लज्जित हुआ। आलस्य करने के कारण वह दौड़ हार गया था।

पृष्ठ 51 : ये कीड़े-मकोड़े Insects and flies

1. इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों के विषय में विद्यार्थियों से बातें करें।
2. एक-एक **चित्र दिखाकर इस पृष्ठ का ऑडियो** सुनवाएँ।
3. फिर दिए गए कीड़े-मकोड़ों के नाम **पहले आप बोलें**, **पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ**। इस अभ्यास से उन्हें इनके नाम कंठस्थ हो जाएँगे।
4. इसके बाद उन्हें बताएँ कि कौन-से कीड़े मनुष्य के लिए हानिकारक हैं और कौन-से मनुष्य के लिए लाभदायक हैं। जैसे, मक्खी और मच्छर हमें बीमार करते हैं तो मधुमक्खी हमें मीठा शहद देती है।
5. अन्त में **फ़्लैश कार्ड** के खेल खिलवाएँ।
6. **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि **जब चित्र और उसका नाम, दोनों एक साथ आ जाएँ, तब उन्हें "बिंगो" बोलना है।**

पृष्ठ 52 : एक से पचास तक गिनती (Counting one to fifty)
संख्यावाचक शब्दों का मानक रूप

1. कक्षा **UKG में विद्यार्थी एक से चालीस तक गिनती** सीख चुके हैं। इस पृष्ठ पर **एक से पचास तक की गिनती** एवं उनका **संख्यावाचक मानक रूप** दिया गया है।
2. पहले विद्यार्थियों को **एक से चालीस तक गिनती सुनवाएँ,** ताकि पिछली कक्षा में सीखी गई गिनती की दोहराई हो जाए।
3. अब विद्यार्थियों से **एक से चालीस तक गिनती मौखिक रूप से सुनें**।
4. फिर **इकतालीस से पचास तक गिनती दो-तीन बार सुनवाएँ**।
5. इसके बाद पहले आप बोलें, फिर पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाकर गिनती कंठस्थ करवाएँ।
6. आप गिनती को पढ़ने के लिए गृह-कार्य हेतु भी दे सकते हैं।